S-255

Total Pages : 3 Roll No. .....

BASL-301

काव्य दर्शन एवं व्याकरण

Bachelor of Arts (BA)

3rd Year Examination, 2022 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. निम्नलिखित में से किसी दो श्लोकों की सन्दर्भ सहित विस्तृत व्याख्या कीजिए :

(क) जातस्य हि ध्रुवो मृत्युर्ध्रुवं जन्म मृतस्य च।

तस्मादपरिहार्येऽर्थे न त्वं शोचितुमर्हसि।।

(ख) सुखदु:खे समे कृत्वा लाभालाभौ जयाजयौ।

ततो युद्धाय युज्यस्व नैवं पापमवाप्स्यसि।।

(ग) कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।

मा कर्मफलहेतुर्भूमा ते संगोऽस्त्वकर्मणि।।

2. नम् धातु के लट् लकार के तीनों पुरुषों सभी वचनों का उदाहरण सहित रूप लिखिए।

3. तर्कसंग्रह में वर्णित द्रव्य की अवधारणा पर प्रकाश डालिए।

4. निष्काम कर्म को परिभाषित करते हुए कर्मयोग पर प्रकाश डालिए।

5. अनुमान प्रमाण का लक्षण देते हुए इसके भेदों का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

अथवा

संस्कृति गद्य साहित्य में 'शिवराजविजय' का क्या स्थान है? विशद विवेचन कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. प्रत्यक्ष प्रमाण पर प्रकाश डालिए।

2. अन्नम्भट्ट का व्यक्तित्व कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

3. विसर्जनीयस्य सः सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

4. बुद्धि का लक्षण देते हुए उसके भेदों की चर्चा कीजिए।

5. शिवराजविजय की औपन्यासिकता पर प्रकाश डालिए।

6. परसवर्ण सन्धि की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

7. भगवद्गीता के अनुसार आत्म-तत्व का विवेचन कीजिए।

8. 'तर्कसंग्रह' के अनुसार कर्म को परिभाषित करते हुए, उसके पाँचों भेदों की व्याख्या कीजिए।